अध्याय 3.11

वन अनुसंधान केन्द्र
हैदराबाद

वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद ने काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर के प्रशासनिक नियंत्रण में जुलाई 1997 से कार्य करना शुरू किया। इस केन्द्र को वानिकी के क्षेत्र में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और गोवा राज्यों की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्थापित किया गया। यह सिंकदराबाद रेलवे स्टेशन के उत्तर में 22 किमी दूर स्थित है। इसका परिसर प्रयोगशालाओं, प्रशासनिक खण्ड, पुस्तकालय, रेस्ट हाउस, अनुसंधान पौधशाला, प्रायोगिक भूखण्डों और कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर के साथ डुलापल्ली आरक्षित वन में 100 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ है।

वर्ष 2005–2006 के दौरान जारी परियोजनाएं

परियोजना 1 : आंध्र प्रदेश के अर्ध–शुष्क उष्णकटिबंधीय में विभिन्न कृषिवानिकी प्रणालियों का प्रदर्शन (एफ आर सी / एक्स 1 / 2002–2007)

स्थिति : सागौन+चन्दन; रोजवुड+चन्दन; यूकेलिप्टस+चन्दन और सागौन+चन्दन+रोजवुड के परीक्षण स्थापित किए और वर्षा पर आधारित फसल के रूप में एरण्ड लगाई गई। विभिन्न वृक्ष संयोजनों के सम्पर्क में एरण्ड वृद्धि और प्रदर्शन का मानीटरन किया गया।

परियोजना 2 : पालतू बनाने के लिए लेगरस्ट्रोमिया प्रजातियों की प्राकृतिक आबादियों की जांच (एफ आर सी / एक्स 04 / 2003–2006)

स्थिति : आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में प्रचलित लेगरस्ट्रोमिया की दो प्रजातियों का सर्वेक्षण किया और जननदृव्य संग्रहण एवं गुणन की प्रक्रियाएं शुरू की गई।

परियोजना 3 : वृक्ष सुधार के लिए रोजवुड (डैल्बर्जिया लेटिफोलिया रॉक्सब) में प्राकृतिक विभिन्न अध्ययन (एफ आर सी / एक्स 08 / 2003–2006)

स्थिति : आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के विभिन्न भागों में अनेकों धन वृक्षों को चिह्नित किया। जननदृव्य संग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई।

परियोजना 4 : टेरोकार्पस मार्शुपियम में परिवर्तनशीलता का आकलन और जननदृव्य संग्रहण (एफ आर सी / एक्स 03 / 2003–2006)

स्थिति : आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के विभिन्न भागों में अनेकों धन वृक्षों को चिह्नित किया। जननदृव्य संग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई।

परियोजना 5 : टेरोकार्पस सेन्टेलिनस में समरूपी विभिन्नता पर अध्ययन और जननदृव्य का सग्रंहण (एफ आर सी / एक्स 07 / 2003–2006)

स्थिति : आंध्र प्रदेश के कूरनूल, कुडप्पा और चित्तूर जिलों का सर्वेक्षण किया और जननदृव्य सग्रहण के लिए खास वृक्षों की पहचान की गई।

परियोजना 6 : आंध्र प्रदेश की कपास आधारित कृषिवानिकी प्रणालियों में कीट आबादियों की गतिकी (एफ आर सी/एक्स 06/2003–2006)

स्थिति : बांस (डेन्ड्रोकैलामस स्ट्रिक्टस), यूकेलिप्टस, नीम, केटर्ड एप्पल और आंवला के साथ संयोजन में कपास पर कीट आबादियों के प्रभाव पर आँकड़े समय–समय पर अभिलिखित किए जा रहे हैं। वृक्ष फसलों के प्रभाव पर भी आँकड़े अभिलिखित किए जा रहे हैं।

यूकेलिप्टस + कपास कृषि वानिकी प्रणाली

परियोजना 7 : आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में लौह अयस्क, चूना पत्थर खान ढेरों का सुधार (एफ आर सी/एक्स 05/2002–2008)

स्थिति : लौह अयस्क खान ढेरों के लिए उपयुक्त वृक्ष प्रजाति चयन, मृदा संशोधन हेतु पौधशाला परीक्षण किए जाएंगे।

परियोजना 8 : आन्ध्र प्रदेश में वनों के पुनर्जनन पर वनाग्नि के प्रभाव का मूल्यांकन (एफ आर सी/एक्स 01/2003–2007)

स्थिति : वन वनस्पति के प्राकृतिक पुनर्जनन पर आग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए दक्षिणी शुष्क पर्णपाती वन किस्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले आंध्र प्रदेश के मानचीरियल और जेनेरम वन प्रभागों में पादप–सामाजिक अध्ययन किए गए। मृदा के भौतिक एवं रासायनिक गुणों पर आग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए मृदा नमूने एकत्र किए गए।

आन्ध्र प्रदेश में उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन
के प्राकृतिक पुनर्जनन पर आग का प्रभाव

वर्ष 2005–2006 के दौरान जारी परियोजनाएं (बाहर से सहायता प्राप्त)

परियोजना 1 : पश्चिमी घाटों कर्नाटक में वन कार्बन पूल का आकलन – प्रमुख वन किस्मों के लिए जैवमात्रा विस्तार कारकों का विकास (2004–2007)

स्थिति : उष्णकटिबंधीय पर्णपाती वनों के संबंध में जड़ जैवमात्रा आकलन किया जा रहा है और आँकड़ों की व्याख्या की जा रही है।

एन आर एस ए सहयोगी परियोजना में कार्बन
पूल परियोजना में भूमिगत जैवमात्रा का आकलन

परियोजना 2 : आंध्र प्रदेश में किसानों की भूमि में मृदा, भौतिक, रासायनिक गुणों पर क्लोनीय यूकेलिप्टस रोपणों के प्रभाव।

स्थिति : विभिन्न आयु के यूकेलिप्टस क्लोनीय रोपण से मृदा नमूने एकत्र किए।

वर्ष 2005–2006 के दौरान शुरू की गई नई परियोजनाएं (बाहर से सहायता प्राप्त)

परियोजना 1 : हुडा द्वारा उगाए शहरी वनों में हुडा–जैवमात्रा आकलन और कार्बन पृथक्करण (2005–2006)

स्थिति : शहरी वानिकी द्वारा सृजित रोपण के लिए भूम्यूपरिक एवं नीचे की जैवमात्रा का आकलन किया जा रहा है।

सारांशः परियोजनाओं की संख्या

	2005–2006 में पूरी की गई परियोजनाओं की संख्या	2005–2006 में जारी परियोजनाओं की संख्या	2005–2006 में शुरू की गई परियोजनाओं की संख्या
प्लान परियोजना	–	8	–
बाहय परियोजनाएं	–	21	–
कुल	–	1.1	–

प्रौद्योगिकी मूल्यांकित और हस्तान्तरित

प्रौद्योगिकी हस्तान्तरण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद परिसर में प्रदर्शन रोपण और खास कृषिवानिकी प्रणालियां स्थापित की गई है।

शिक्षा एवं प्रशिक्षण

एक गैर सरकारी संगठन, विलेज रीकन्स्ट्रक्शन आर्गेनाइजेशन (इडिया) के तहत पच्चीस शिक्षित युवाओं के एक समूह का केन्द्र का भ्रमण किया। इनके साथ ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार सुअवसर के संबंध में वानिकी क्षेत्र में जारी अनुसंधान और अन्य विकासात्मक कार्यकलापों पर विचार–विमर्श किया गया।

सहानुबंध एवं सहयोग

राष्ट्रीय

वन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद के पास वर्तमान में एन आर एस ए, हैदराबाद और आई टी सी – पी एस पी डी, भद्राचलम एवं आंध्र प्रदेश वन विभाग और आंध्र प्रदेश वन विकास निगम के सहयोग से दो परियोजनाएं चल रही हैं।

परामर्श

1. सिंगरेनी कोलियरी कम्पनी लिमिटेड, कोठागुडम, आंध्र प्रदेश में खनन के लिए वन भूमि के विपणन (154.96 हैक्टेयर) के साथ वन्यप्राणिजात पर प्रभाव मूल्यांकन।
2. आंध्र प्रदेश के लिए एन एम पी बी स्वीकृत योजना का मानीटरन एवं मूल्यांकन।

सम्मेलन / आयोजित / कार्यशालाएं / सेमिनार / संगोष्ठ / प्रदर्शनियां

आयोजित

1. एम. लोकेश्वरा राव ने उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर द्वारा आयोजित ''वृक्ष जैव प्रौद्योगिकी'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
2. एम. लोकेश्वरा राव ने आंध्र प्रदेश वन अकादमी डुलापल्ली, हैदराबाद में 16 सितम्बर 2005 को ''स्वच्छ विकास क्रियाविधि'' पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण पर ''कार्बन पृथक्करण पर एफ आर सी परियोजनाओं का स्तर'' शीर्षक से प्रस्तुतिकरण किया।
3. डॉ. जी.आर.एस. रेड्डी ने आंध्र प्रदेश वन अकादमी, डुलापल्ली हैदराबाद में 16 सितम्बर 2005 को 'स्वच्छ विकास क्रियाविधि'' पर कार्यशाला एवं प्रशिक्षण में भाग लिया।
4. श्री डी. जया प्रसाद, भा.व.से., उप वन संरक्षक, डॉ. जी.आर.एस. रेड्डी और डॉ. व्हाई. श्रीधर ने साइबर गार्डन (शिल्पारमम के समीप), मधेपुर, हैदराबाद–500 001 में 27 जनवरी 2006 को ''औषधीय एवं सुरभित पादपों तथा शाकीय उत्पाद की खेती, प्रक्रमण, उपयोगिता परिवर्धन और विपणन में वर्तमान रूझान'' पर राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया।
5. आंध्र प्रदेश राज्य वन विभाग, भारतीय उद्योग परिसंघ और बांस तथा इसके उपयोग पर राष्ट्रीय मिशन द्वारा 19 और 20 फरवरी, 2005 को जुबली हॉल, हैदराबाद में आयोजित आजीविका के लिए बांस पर कार्यशाला।
6. साइबर गार्डन, हैदराबाद में 27 जनवरी 2006 को राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड द्वारा आयोजित ''औषधीय एवं सुरभित पादपों की खेती, प्रक्रमण, उपयोगिता परिवर्धन और विपणन में वर्तमान रूझान'' पर राष्ट्रीय सेमिनार।